इस्पात टाइम्स
रायपुर-रायगढ़ से प्रकाशित
शुक्रवार, 26-मार्च-2021

विश्व टी बी दिवस पर जेएसपीएल फाउंडेशन ने किये अनेक जागरूकता कार्यक्रम

08 ग्रामों में हुए जागरूकता कार्यक्रम से 450 लोग हुए लाभान्वित

रायगढ़ । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू एच ओ) के मार्गदर्शन में 24 मार्च को पूरे दुनिया भर में विश्व टी बी दिवस के तौर पर जाना जाता है, इसी श्रंखला में टी बी अथवा क्षय रोग के प्रति लोगों को जागरूक कर इसे समाप्त करने जे एस पी एल फाउंडेशन द्वारा प्रति वर्ष जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। जिसका उद्देश्य इस वैश्विक बीमारी के प्रति लोगों को सचेत करना है। आज टी बी दिवस पर विशेषज्ञ चिकित्सक व विशेषज्ञों की मौजूदगी में अप्रवासी श्रमिकों एवं ग्रामीणों को इस संक्रामक बीमारी के प्रति जागरूक कर सचेत किया गया। क्रमशः 08 ग्रामों में हुए इस जागरूकता कार्यक्रम से लगभग 450 लोग लाभान्वित हुए।

जे एस पी एल फाउंडेशन द्वारा आज विश्व टी बी दिवस ग्राम पतरापाली स्थित



व्यवसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रशिक्षण में अप्रवासी श्रमिकों को टी बी रोग के लक्षण के बारे बताते हुए निक्षय समिति की कार्यक्रम अधिकारी रूमा बोस ने कहा की इस बीमारी से बचना है तो चिकित्सक से मिलकर उनके सलाह से दवाइयों का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद सी एस आर के उपमहाप्रबंधक शिशिर तरफदार ने डॉट्स अपनाने की सलाह देते हुए इस बीमारी के बचाव एवं लक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी और टी बी को दूर भगाने जागरूकता का सन्देश दिया।

इस अवसर पर सभी श्रमिकों ने टी बी से बचाव करें ,अपनों का ख्याल करें ,घर-घर अलख जगाएं ,टी बी को दूर भगाएं तथा जन-जन का एक ही नारा ,टी बी मुक्त हो देश हमारा के नारे पुरे उत्साह के साथ लगाए।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में फोर्टीज ओ पी जिंदल हास्पीटल एवं जे एस पी एल फाउंडेशन द्वारा ग्राम सैरपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया।इस अवसर पर फेफड़ा एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ मनदीप सिंह टुटेजा ने टी बी अथवा क्षय रोग के लक्षण एवं बचाव के सन्दर्भ मे सार्थक जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस दौरान फोर्टिज हॉस्पिटल के मार्केटिंग प्रमुख अंजनी कुमार सिंह एवं रामनारायण पटेल उपस्थित रहे। इसके अलावा विश्व टी बी दिवस पर क्रमशः केराझर ,कलमी, डोंगाडकेल, परसदा, मुरालीपाली ,भगवानपुर सहित कुल 08 ग्रामों में स्वास्थ्य संगिनियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए।

उल्लेखनीय है की टी बी अथवा क्षय रोग एक संक्रामक बीमारी है ,जो माइको ट्यूबरकलोसिस बैक्टीरिया के कारन होती है। इसका ज्यादातर असर फेफड़ों पर होता है। यह संक्रामक बीमारी है और पीड़ित मरीज के खांसने-छींकने के दौरान मुंह-नाक से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स के जरिये अन्य स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित कर सकती है। इस रोग का निदान सही समय पर समुचित इलाज मिलने से संभव है। जबकि इलाज में लापरवाही जानलेवा भी हो सकता है।